

DR. PRATAP SINGH HARDIA

Dr. Pratap Singh Hardia is among the few ophthalmologists to start refractive surgery for removal of glasses in the country in the 80s. He is the first to start radial keratotomy in India which has been replaced by LASIK surgery now a days. He started performing EXCIMER laser surgeries in 1990. He hosted more than 500 eye camps in his life all over India and Nepal. He did thousands of free eye surgeries in free eye camps. He still attends to patients and performs surgeries at the age of 81.

2. Born on October 5, 1938 in Sendhwa (MP), Dr. Hardia completed his Medical Graduation & Post Graduation studies from MGM Medical College, Indore. He has performed 6.5 Iakh Surgeries till today for which he holds GUINNESS World Record.

3. Pedicle Omentopexy in case of Retinal degeneration was invented by Dr. Hardia, for the first time in the World in 2001 as per the report, published by the Nova Science Publisher, New York, United State of America. Excimer Laser Technology was implemented by him in was 1990, first time in Asia, for Eye Surgery of High Myopia. Radial Keratotomy Operation started by him, for the first time in India, in 1980 in case of High Myopia. He is the Founder of Shiv Parvati Memorial Charitable Eye Hospital at Indore, Madhya Pradesh in 1981 and started functioning deserving patients of our Country as Free of Cost Free Eye Camp and Eye surgery.

4. In the year 1980, the American Society F.D.A approved the technique of Radial Keratotomy. Dr. Hardia has performed more than 3 lakhs operations related to high Myopia. He started doing Excimer laser surgery in 1990. Indore was the only Centre in the whole of Asia where the Excimer Laser surgery was performed. The method of Pedicle Omentopexy was done by him for the first time in the World on a patient during the year 2002. Many needy and poverty stricken patients from various provinces of India are treated as free of cost. They are also provided with logistic supports such as Medicines, Spectacles and other allied facilities in all respect by him

5. Dr. Hardia has received various awards and honours. In 1996 he was awarded Limca Book Of Record and also got Gunnies Book Of World Records Certificate in 1999.

डॉ. पी. एस. हार्डिया



डॉ. पी. एस. हार्डिया उन नेत्र विशेषज्ञों में से एक हैं जिन्होंने 80 के दशक में चश्मा हटाने के लिए देश में रिफ्रैक्टिव सर्जरी आरंभ की। आप पहले व्यक्ति है जिन्होंने भारत में सर्वप्रथम रेडियल केराटोटॉमी आरंभ की जिसका स्थान आजकल लासिक शल्य चिकित्सा ने ले लिया है। आपने 1990 में एक्ज़िमर लेजर शल्य चिकित्सा करना आरंभ किया। आपने अपने जीवनकाल में सम्पूर्ण भारत तथा नेपाल में 500 से अधिक नेत्र शिविर लगाए। आपने निशुल्क नेत्र शिविरों में कई हजार निशुल्क नेत्र शल्य चिकित्सा की हैं। आप 81 वर्ष की आयु में भी रोगियों को देखते हैं और शल्य चिकित्सा करते हैं।

2. आपका जन्म 5 अक्तूबर, 1938 को सेंघवा (म.प्र.) में हुआ था। आपने अपनी मेडिकल स्नातक तथा स्नातकोत्तर की पढ़ाई एम जी एम मेडिकल कॉलेज इंदौर से की। आपने अब तक 6.5 लाख शल्य चिकत्साएं की हैं जिसके लिए आपका नाम गिनीज़ वर्ल्ड रिकार्ड में दर्ज है।

3. रेटिनल डिजनरेशन के मामले में पेडिकल ओमेंटोपेक्सी की खोज वर्ष 2001 में विश्व में सर्वप्रथम डॉ. हार्डिया द्वारा की गई और इसकी रिपोर्ट नोवा साइंस पब्लिकशर, न्यूयार्क, अमेरिका द्वारा प्रकाशित की गई। हाई मायोपिया की नेत्र सर्जरी के लिए एशिया में सर्वप्रथम वर्ष 1990 में आपने एक्ज़िमर लेजर तकनीक को शुरू किया। हाई मायोपिया के मामलों में वर्ष 1980 में भारत में सबसे पहले रेडियल केरोटोटॉमी आपरेशन आपके द्वारा आरंभ किया गया। आपने वर्ष 1981 में मध्य प्रदेश के इंदौर शहर में शिव पार्वती मेमोरियल चेरिटेबल आई हॉस्पिटल की स्थापना की और हमारे देश के जरूरतमंद रोगियों के लिए निशुल्क नेत्र शिविर तथा नेत्र चिकित्सा का आयोजन शुरू किया।

4. वर्ष 1980 में, अमेरिकन सोसायटी एफ.डी.ए. ने रेडियल केराटोटॉमी की तकनीक को अनुमोदित किया। आपने हाई मायोपिया से संबंधित 3 लाख से अधिक ऑपेशन किए हैं। आपने 1990 में एक्ज़िमर लेजर शल्य चिकित्सा आरंभ की। पूरे एशिया में इंदौर एकमात्र ऐसा केंद्र है जहां एक्ज़िमर लेजर सर्जरी की जाती है। पेडिकल ओमेंटोपेक्सी की प्रक्रिया विश्व में पहली बार आपके द्वारा वर्ष 2002 के दौरान एक रोगी पर की गई। आपके द्वारा भारत के विभिन्न प्रांतों से आने वाले बहुत से जरुरतमंद और गरीबी से जूझ रहे मरीजों का इलाज मुफ्त में किया जाता है, यहां तक कि उन्हें लॉजिस्टिक सपोर्ट जैसे दवाइयां, चश्मा और अन्य सहायक सुविधाएं भी दी जाती हैं।

5. आपको कई पुरस्कार तथा सम्मान प्राप्त हुए हैं। जिनमें 1996 में लिम्का बुक ऑफ रिकार्ड तथा वर्ष 1999 में, गिनीज़ बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्डस सर्टिफिकेट भी शामिल है।